खबर संक्षेप

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जिले में मनाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

शहडोल। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस बार की मुख्य थीम स्वच्छोत्सव रखी गई है। पखवाड़े की शुरुआत 17 सितम्बर को प्रमुख धार्मिक स्थलों और जल संरचनाओं में सामूहिक स्वच्छता अभियान से होगी। 18 सितम्बर को घर-घर गीला व सूखा कचरा अलग करने के लिए जनजागरूकता अभियान चलेगा। 19 सितम्बर को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ हाट बाजारों और धार्मिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम होंगे। 20 सितम्बर को सफाई मित्रों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, 21 सितम्बर को स्कूलों व पंचायतों में प्लास्टिक प्रतिबंध पर कार्यक्रम और 22 सितम्बर को स्वच्छ हरित उत्सव मनाया जाएगा। इसमें कबाड़ से उपयोगी वस्तुएं बनाने और पूजा-पंडालों से निकले कचरे के निपटान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 25 सितम्बर को जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमदान होगा, वहीं 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा और जलीय संरचनाओं की सफाई के लिए श्रमदान किया जाएगा। प्रत्येक नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत को निर्देश दिए गए हैं कि पखवाड़े की सभी गतिविधियाँ संचालित कर उनकी जानकारी एवं तस्वीरें प्रतिदिन शाम 5 बजे तक स्वच्छता ही सेवा पोर्टल पर अपलोड करें।

15 सितम्बर को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने स्क्रीनिंग शिविर

शहडोल। प्रदेश में दिव्यांग बच्चों के शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन शासन के निर्देशानुसार 15 सितम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में ऐसे दिव्यांग बच्चे जिनकी आयु 0 से 18 वर्ष है उनके आकलन पश्चात जिले के विभिन्न विशेषज्ञों अस्थि रोग, नेत्र रोग, ई एन टी रोग, मनोचिकित्सक, मेडिसिन विशेषज्ञ की उपस्थिति में दिव्यंता प्रमाण-पत्र सुबह 10 से 04 तक बनाया बनाया जाएगा। इसी कड़ी में संभागीय मुख्यालय के महात्मा गांधी स्टेडियम में 15 सितंबर 2025 को दोपहर 02 बजे से दिव्यांग स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिन दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र नहीं बना है, वह दिव्यांग बच्चे जिनकी आयु 0 से 18 की है, उक्त दिव्यांग स्क्रीनिंग शिविर उपस्थित होकर अपना चिन्हांकन कराना सुनिश्चित करें ।

शहडोल में युवक का गुस्सा फूटा

टीवी तोडक़र जताया भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध

शहडोल। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर शहडोल के एक युवक ने गुस्से में आकर अपने घर की टीवी तोड़ दी। युवक का कहना है कि जब देश के जवान ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हो रहे हैं, तब पाकिस्तान के साथ खेल का आयोजन शहीदों के बलिदान का अपमान है। उसने टीवी तोडक़र यह संदेश दिया कि ऐसे मैचों का कोई औचित्य नहीं है। युवक कांग्रेस नेता शेख अबीद हैं, जिन्होंने भावुक होकर कहा कि शहीदों की शहादत को भूलकर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से खिलवाड़ है। उन्होंने इसे केवल क्रिकेट नहीं बल्कि शहीदों के प्रति असम्मान करार दिया। शेख अबीद ने देशवासियों से अपील की है कि वे इस मैच का बहिष्कार करें। उन्होंने कहा देश की अस्मिता और शहीदों के सम्मान से बड़ा कोई खेल नहीं हो सकता। जब जवान सीमा पर जान कुर्बान कर रहे हों, तब पाकिस्तान के साथ खेलना शहीदों की आत्मा का अपमान है। उनका यह विरोध केवल व्यक्तिगत गुस्से तक सीमित नहीं रहा।

सरकारी जमीन हड़पने का खेल, पुलिस को पुन: जांच के आदेश

स्वास्तिक बिल्डर्स बेनकाब: अदालत ने पुलिस को लगाई फटकार

खारिजी रिपोर्ट पर अदालत ने लगाया ब्रेक

भूमाफिया के कब्जे में सरकारी जमीन

करोड़ों का कॉम्प्लेक्स खड़ा, राजस्व विभाग की मिलीभगत उजागर

सरकारी जमीन को हड़पकर मेसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स और भूमाफियाओं ने जो खेल रचा, वह अब अदालत की सख्ती से खुलकर सामने आ गया है। अपराध क्रमांक 136/17 में पुलिस द्वारा दाखिल की गई खारिजी रिपोर्ट को न्यायालय ने पूरी तरह असंगत करार देते हुए निरस्त कर दिया और दोबारा जांच का आदेश दिया। यह मामला न केवल राजस्व की भारी हानि का है, बल्कि भू-माफियाओं और राजस्व विभाग की मिलीभगत से खड़ी की गई भ्रष्टाचार की गंदी दीवार का भी है।

शहडोल।

जिले में सरकारी भूमि को फर्जी नामांतरण और जालसाजी कर बेच देने के मामले ने पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। कोतवाली में दर्ज अपराध क्रमांक 136/2017 के तहत मेसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स के जिम्मेदारों पर आरोप था कि उन्होंने ग्राम भुईबांध स्थित खसरा नंबर 1/176, रकबा 0.387 हेक्टेयर शासकीय भूमि को फर्जी नामांतरण कर कब्जे में ले लिया और आगे करोड़ों रुपये में बेच डाला। पुलिस ने इस पर खानापूर्ति करते हुए खारिजी प्रतिवेदन (क्लोजर रिपोर्ट) दाखिल कर मामला दबाने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने साफ कहा कि रिपोर्ट में न तो मूल दस्तावेजों का अध्ययन किया गया और न ही संलग्न अभिलेखों का परीक्षण। न्यायालय ने पुलिस की लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताई और पुनः जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया।

1978 से शुरू हुआ घपला

भूमि घोटाले की जड़ें चार दशक पुरानी हैं। वर्ष 1978 में किशोरीलाल सरावगी को कब्जे के आधार पर भूमि स्वामी घोषित किया गया। इसके बाद महेंद्र सरावगी और उनके पुत्र अनंत सरावगी ने खुद को किशोरीलाल का फर्जी वारिस बताकर नामांतरण करा लिया। जब नामांतरण की फाइल कलेक्टर के पास पहुंची, तो पिता का नाम ही बदल दिया गया। असल में खरीदी गई जमीन मात्र 35 डिस्मिल थी, लेकिन राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से 65 डिस्मिल सरकारी भूमि को जोडक़र विक्रय नामे में 100 डिस्मिल दर्ज कर दिया गया। यही से फर्जीवाड़े की इमारत खड़ी हो गई।

कॉम्प्लेक्स खड़ा कर बेचे फ्लैट और दुकानें

एक दशक पहले इस जमीन पर फ्लैट और दुकानों की बिक्री शुरू हुई। विक्रय अनुमति के नाम पर किसी अन्य भूखंड के दस्तावेज लगाए गए और सरकारी जमीन पर बने बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स को धड़ल्ले से बेच दिया गया। यही नहीं, आसपास की अन्य जमीनों पर भी दबंगई दिखाते हुए अवैध कब्जे कर लिए गए। शिकायतकर्ता दिनेश दीक्षित और कई गवाहों ने अदालत में बताया कि पुलिस ने न तो उनके बयान गंभीरता से लिए और न ही भूमाफियाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई की।

साक्षियों की अनदेखी और पुलिस की मिलीभगत

मामले में साक्षी राकेश मिश्रा और श्यामसुंदर चौधरी जैसे गवाहों ने बयान दिया कि पुलिस ने जानबूझकर उनकी गवाही की अनदेखी की। उन्होंने कहा कि स्वास्तिक बिल्डर्स और भूमाफिया गिरोह ने न केवल सरकारी जमीन पर कब्जा कर कॉम्प्लेक्स बनाया बल्कि शिकायतकर्ताओं को लगातार धमकियां भी दी गईं। इसके बावजूद पुलिस ने आरोपियों को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

अब बिल्ली के शिकंजे में चूहा

इस पूरे मामले को लेकर बीते एक दशक से चूहे-बिल्ली जैसा खेल चलता रहा। कभी एफआईआर दर्ज हुई, तो कभी खारिजी रिपोर्ट लगाकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। जब शिकायतकर्ता ने आपत्ति उठाई, तो खारिजी आवेदन रद्द कर दिया गया। बाद में पुनः जांच का आदेश हुआ, लेकिन कमिश्नर स्तर पर सेटिंग कर केस दबाने की कोशिश की गई। अब अदालत ने एक बार फिर खारिजी रिपोर्ट निरस्त कर एफआईआर को जीवित कर दिया है।

राजस्व विभाग की भूमिका संदिग्ध

शिकायतकर्ता का साफ आरोप है कि इस पूरे खेल में राजस्व विभाग के अधिकारियों की सीधी मिलीभगत रही। बिना अधिकारियों की मदद के न तो फर्जी नामांतरण संभव था और न ही सरकारी जमीन को विक्रय नामे में जोडऩा। अदालत ने भी अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मूल दस्तावेजों और उच्च न्यायालय कोलकाता द्वारा दिए गए आदेशों का अवलोकन किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं है।

अब पुलिस की परीक्षा-कब होगी कार्रवाई?

न्यायालय ने आदेश दिया है कि पुलिस दोबारा जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करे। सवाल यह है कि क्या पुलिस मेसर्स स्वास्तिक बिल्डर्स के जिम्मेदारों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई करेगी या एक बार फिर भूमाफियाओं की ताकत के आगे नतमस्तक हो जाएगी? यदि यह साबित होता है कि सरकारी जमीन को फर्जी नामांतरण कर बेचा गया है, तो यह केवल राजस्व हानि का मामला नहीं बल्कि भूमाफिया गिरोह का बड़ा नेटवर्क उजागर करेगा। अदालत का आदेश पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है और अब देखना होगा कि स्वास्तिक बिल्डर्स और उनके संरक्षकों पर आखिरकार कब तक शिकंजा कसा जाता है।

विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक पर व्याख्यान

शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में भूगोल परिषद द्वारा रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमरकंटक विश्वविद्यालय के प्रो. चंद्रमौली ने कहा कि वर्तमान समय में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीक का उपयोग शिक्षा, अनुसंधान, मौसम विज्ञान, जलवायु परिवर्तन सहित लगभग प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से हो रहा है। यह तकनीक पृथ्वी को गहराई से समझने का अवसर देती है। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज, बुढ़ार के डॉ. एस.एम. प्रजापति ने जीआईएस तकनीक को आधुनिक युग में निर्णय लेने का सबसे सशक्त साधन बताया। उन्होंने कहा कि यह न केवल पृथ्वी की जटिलताओं को समझने में मदद करता है, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की

परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ ने की। उन्होंने कहा कि भूगोल विभाग समय-समय पर नवाचारपूर्ण गतिविधियों का आयोजन करता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव होता है।

इस अवसर पर एम.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा कु. आंचल सिंह ने जिले की भूमि उपयोग के बदलते स्वरूप का सुदूर संवेदन द्वारा अन्वेषण विषय पर भोपाल स्थित मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन संस्था में किए गए तीन माह के डेजर्टेशन कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह कार्य भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सौरभ शिवा के निर्देशन में पूरा हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुनीश सिंह नेगी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. सौरभ शिवा ने किया। इस अवसर पर विभाग के अजय सिंह पटेल, दिलीप मिश्रा, दीपेश पारस, पुष्पा साहू सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया शाला मलियागुड़ा का औचक निरीक्षण

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली विकास खण्ड एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने माध्यमिक शाला मलियागुड़ा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति पंजी देखी और कक्षाओं में पहुँचकर बच्चों से पठन-पाठन, गणवेश तथा मध्यान्ह भोजन संबंधी जानकारी ली।

कक्षा 6वीं के बच्चों से पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर पाकर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण में पाया गया कि शिक्षक बच्चों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, जिससे शैक्षणिक स्तर संतोषजनक है। एसडीएम ने बच्चों को नियमित अध्ययन करने, घर पर अभ्यास जारी रखने और मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मेहनत व लगन से पढ़ाई कर अच्छे अंक प्राप्त करें और गांव, स्कूल, जिला तथा प्रदेश का नाम रोशन करें।

शहडोल में शासकीय मुलाजिम असुरक्षित

वन विभाग की टीम पर हमला, सर्च वारंट फाड़ा

शहडोल। जिले में माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे शासकीय मुलाजिमों पर खुलेआम हमला बोल रहे हैं। जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र के महदेवा गांव में वन विभाग की टीम पर उस समय हमला किया गया जब वे अवैध रूप से रखी गई इमारती लकड़ी जब्त करने पहुंचे। आरोपी न केवल टीम से भिड़ गए बल्कि सामने ही सर्च वारंट फाड़ डाला और अधिकारियों के साथ गाली-गलौज कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई।

वन विभाग की टीम पर हमला

जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के महदेवा गांव में वन विभाग को सूचना मिली कि अवैध रूप से जंगलों से काटी गई इमारती लकडिय़ों का बड़ा जखीरा छुपाकर रखा गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बनी संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारा। जांच में यह पाया गया कि आरोपी सुरेंद्र यादव के घर और बाड़ी के पास लकडग़्ाी बड़ी मात्रा में छुपाकर रखी गई थीं। जब टीम घर के अंदर तलाशी लेने गई तो आरोपी ने सर्च वारंट मांगा। अधिकारियों ने जैसे ही वारंट दिखाया, सुरेंद्र यादव ने दस्तावेज को वहीं फाड़ दिया और अन्य परिजनों के साथ मिलकर टीम पर हमला बोल दिया।

अधिकारी बने निशाना, महिलाएं भी भिड़ीं

बीट गार्ड सूर्य प्रताप सिंह ने शिकायत में कहा कि आरोपी ने न केवल वारंट फाड़ा बल्कि टीम को गाली-गलौज कर धमकाने लगा। इस दौरान घर की महिलाएं भी आक्रामक हो गईं और अधिकारियों को घेरकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि वन विभाग की टीम को अधूरी कार्रवाई छोडक़र थाने लौटना पड़ा। यह घटना साफ दर्शाती है कि अवैध कारोबारियों के सामने शासकीय अमले की स्थिति कितनी कमजोर हो चुकी है।

मामला दर्ज, आरोपी फरार

थाना प्रभारी जयसिंहनगर अजय कुमार बैगा ने बताया कि बीट गार्ड की शिकायत पर आरोपी सुरेंद्र यादव, नरेंद्र यादव, बाबूलाल और दो अन्य के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, गाली-गलौज और शासकीय दस्तावेज को नुकसान पहुंचाने का अपराध दर्ज किया गया है। हालांकि सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

माफियाओं के बढ़ते हौसले

यह पहली बार नहीं है जब जिले में शासकीय मुलाजिमों पर हमला हुआ हो। हाल के वर्षों में अवैध कारोबारियों और माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कभी रेत माफिया तो कभी लकड़ी माफिया आए दिन सरकारी कर्मचारियों पर हमला कर प्रशासन की नाक में दम कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब सरकारी मुलाजिम ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता न्याय और सुरक्षा की उम्मीद किससे करे।

शहडोल में नेशनल लोक अदालत, 2408 प्रकरणों का हुआ निराकरण

शहडोल

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर शहडोल सहित ब्यौहारी, बुढ़ार एवं जयसिंहनगर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काशीनाथ सिंह ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। प्रकरणों के निराकरण के लिए जिलेभर में 20 खंडपीठ गठित की गईं। लोक अदालत में कुल 2408 प्रकरणों का निपटारा किया गया, जिनमें 791 लंबित एवं 1617 प्री-लिटिगेशन प्रकरण शामिल रहे। इन मामलों में 2 करोड़ 62 लाख 58 हजार 949 की राशि का अवार्ड पारित हुआ। विशेष रूप से मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, आपराधिक राजीनामा योग्य, वैवाहिक विवाद तथा विद्युत विभाग से जुड़े मामलों का निपटारा किया गया।

जिला न्यायालय परिसर में विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक और बीएसएनएल के स्टॉल लगाए गए। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा विधिक सेवा प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें नालसा व सालसा की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश द्वय कमलेश कोल, कृष्णपाल सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपेन्द्र सिंह मडावी, सीता शरण यादव, सुश्री दीप्ति चैहान, श्रीमती प्रीति सिंह बघेल, सुश्री अदिति कुमार शर्मा, सुश्री श्वेता यादव प्रभारी सहायक निदेशक अभियोजन हरिओम कुसुमाकर बैस, जिला विधिक सहायता अधिकारी/प्रभारी सचिव देवेन्द्र सिंह परस्ते, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ राकेश सिंह बघेल, उपाध्यक्ष सतीश पाठक, सचिव अधिवक्ता संघ अनिल तिवारी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कुंजबिहारी द्विवेदी, समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, न्यायालय के अधिवक्तागण, पैनल अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर, न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं अभार प्रदर्शन जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते द्वारा किया गया।

जिलांतर्गत कोर्ट मोहिर्र की मासिक बैठक संपन्न

शहडोल। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में 14 सितंबर को पुराने पुलिस कंट्रोल रूम में कोर्ट मोहिर्र की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में न्यायालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने वारंटों का समय पर तामीली सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से चिन्हित प्रकरणों में वारंटों की तामीली में विलंब को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी मामले में न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने में कठिनाई हो रही है, तो संबंधित अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी पुलिसकर्मी को न्यायालय में पेशी के दौरान कोई समस्या आ रही है, तो उसकी सूचना समय पर दी जाए। बैठक में जिले के विभिन्न न्यायालयों के कोर्ट मोहिर्र एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के रीडर लक्ष्मी नारायण द्विवेदी, नगर शाखा से सज्जन, सुरेश पाण्डेय एवं आर. भगवानिया उपस्थित रहे। बैठक के दौरान न्यायालय संबंधी प्रक्रियाओं को सुचारु बनाने और लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

एसडीएम ने खाद-बीज दुकानों का किया औचक निरीक्षण

उमरिया।

जिले के विकास खण्ड बिरसिंहपुर पाली एसडीएम अम्बिकेश प्रताप सिंह ने पाली स्थित खाद बीज की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमियां मिलने पर कृषि विभाग द्वारा सम्बंधितो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान महामाया बीज भण्डार में दस्तावेजों का व्यवस्थित संधारण नहीं पाया गया। स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन करने पर वास्तविक भंडार में पाई गई सामग्री में अंतर पाया गया। टीम ने अव्यवस्थित रखे सामान और खाद के स्टॉक को नोट किया गया। बिरासनी खाद-बीज भंडार में खाद-बीज की बिक्री किराना स्टोर के माध्यम से किया जाना पाया गया, जिस

पर मौके पर ही पंचनामा बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। एसडीओ (कृषि) राशिद खान ने बताया कि अनियमितताओं पर संबंधित फर्मों को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया गया है। जवाब संतोषजनक नही मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी ।

सेवारत शिक्षकों की नौकरी पर संकट

शहडोल।

सेवारत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा पर बड़ा संकट मंडराने लगा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार अब सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। आदेश के अनुसार, चाहे शिक्षक की नियुक्ति किसी भी वर्ष में हुई हो, सभी को अनिवार्य रूप से शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। इस निर्णय से प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लाखों शिक्षकों के सामने प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गई हैं।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के अध्यक्ष लालजी तिवारी द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस नियम के कारण शिक्षकों के बीच गहरी निराशा, भय और असुरक्षा का माहौल है। लाखों शिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है, वहीं उनके परिवार के भरण-पोषण का सवाल भी खड़ा हो गया है।

इसी संदर्भ में शिक्षकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन देने का निर्णय लिया है। यह ज्ञापन कलेक्टर शहडोल के माध्यम से सोमवार को शाम 5 बजे सौंपा जाएगा। इस दौरान जिलेभर के शिक्षक साथी कलेक्ट्रेट परिसर शहडोल में इक_ा होकर इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेंगे और सेवा सुरक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प लेंगे।

शिक्षकों का कहना है कि पहले से नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता लागू करना उनके साथ अन्याय है और यह निर्णय उनके परिवारों के भविष्य पर भी सीधा असर डाल रहा है। इसलिए वे एकजुट होकर इस नियम को वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांवों का आत्मनिर्भर होना आवश्यकः प्रभारी मंत्री

पांच दिवसीय सखी प्रशिक्षण का हुआ समापन

उमरिया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्यर में कृषि विज्ञान केंद्र डबरौहा में पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि कृषि सखी बेहतर तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त। करके गांवों में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व बताएं। प्राकृतिक खेती कम लागत में अधिक उत्पाकदन करने का अच्छाि माध्य म है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हाछन पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्राकृतिक खेती के लिए पशुपालन भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि धरती आबा योजना के तहत विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं, पशुपालन हेतु उनका सहयोग लिया जा सकता है।पशुपालन आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रमुख स्तांभ है। महिलाओ को शशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। महिलाओ को रोजगार,स्व सहायता समूह,नौकरियों में आरक्षण आदि से आत्मथनिर्भर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि किसान गांव में ही सभी प्रकार की वस्तुएं उपलब्धक करने का प्रयास करें,जिससे गांव की आर्थिक समृद्धि में तेजी से विकास हो। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों मे आने वाले त्योहारो पर स्वदेशी चीजो को अपनाएं तथा लोकल दुकानदारों से समान खरीदने का प्रयास करें। उन्होंने महिलाओं को सुझाव की वो समूह बनाकर गांव में उत्पादित दाल बनाएं जिसे स्व सहायता समूह के माध्यनम से खरीदा जाएगा और छात्रावासों, आश्रमों में उनका उपयोग होगा। स्कूयलो में बच्चों को प्राप्त होने वाले गणवेश की सिलाई का कार्य महिलाएं लोकल स्तर पर करें जिससे उनकी आय में वृद्धि हो। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों के विषय में चर्चा करते हुए इसे बढ़ावा देने पर जोर दिया।

विद्यालय में उमंग दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पथरहटा में उमंग दिवस पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर उमंग दिवस की थीम उमंग है तो जिंदगी में रंग है के माध्यम से सभी बच्चों को उमंग कार्यक्रम के बारे में एवं जीवन कौशल की जानकारी स्कूल हेल्थ एंबेसडर द्वारा दी गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में एवं किशोरावस्था में हो शारीरिक परिवर्तन राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के घटक पर चर्चा की गई। एचआईव्ही , एड्स जागरूकता एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र में दी जाने वाली सेवाओं के विषय में चर्चा की गई एवं और सभी बच्चों से फीडबैक लिया गया। बच्चों के साथ प्रश्नोत्तरी एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत संपन्न

उमरिया। जन-जन तक न्याय सुलभ कराने के उद्देश्य की अवधारणा को साकार रूप प्रदान करने के लिये जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार गुप्ता के निर्देशन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 11 खण्डपीठों का गठन किया गया था, जिसमें से 8 जिला न्यायालय उमरिया में 2 खण्डपीठ तहसील न्यायालय बीरसिंहपुर पाली एवं 1 खण्डपीठ तहसील न्यायालय मानपुर की शामिल है। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ अरूण प्रताप सिंह, प्रधान जिला न्यायाधीश/कुटुम्ब न्यायालय द्वारा मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

समस्याओं का त्वरित समाधान जिम्मेदार शासन का परिचायक: प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में बैठक संपन्न

विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की जिला प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा

उमरिया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान की अध्यधक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला स्तणरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक मे प्रभारी मंत्री ने खाद्य विभाग, लोक स्वोस्य्बै यांत्रिकीय विभाग, कृषि विभाग, स्वाास्य्ही विभाग, जन जातीय कार्य विभाग, ग्रामीण एवं पंचायत विकास विभाग, वन विभाग,जल जीवन मिशन,महिला एवं बाल विकास विभाग व्दाएरा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा की।

जिला प्रभारी मंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग से कहा कि अभियान चलाकर बाल विवाह निषेध के संबंध में आम जनों को बताया जाए तथा यह समझाईश दी जाए कि निर्धारित उम्र में ही लडक़ी,लडक़े की शादी करें। स्वाचस्य ज विभाग से कहा कि सिकल सेल पर विशेष जोर दिया जाए तथा जो मरीज सिकल सेल के चिन्हित किए गए है, उन्हें समय पर डोज दिया जाए तथा उसके उपरांत उनकी मॉनिटरिंग भी की जाए।

उन्होटने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि टेस्टिंजग की जानकारी जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में लाई जाए एवं लंबित कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीईओ जिला पंचायत से कहा कि बोरी बंधान का कार्य अक्टूबर माह से प्रारंभ किया जाए। एक कर्मचारी को पांच बोरी बंधान का लक्ष्य दिया जाए। पीएम जन मन योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि योजना के तहत 9 घटक निर्धारित किए गए है। जिसमें कुछ योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। कुछ योजनाओ में कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में जर्जर भवनों को पंद्रह दिवस के अंदर ध्वसस्तह किया जाए, उसमे कक्षाएं संचालित नही की जाएं। कक्षाएं संचालित होने पर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति एवं आवास के मुद्दे प्राथमिकता से सुलझाएं।

नल जल योजना की समीक्षा करते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायत स्त र पर सरपंच, सचिव स्तभर पर कमेटी का गठन किया जाए तथा उनके माध्यतम से ग्रामीणों को नल जल योजना में कोई नुकसान नही पहुंचाया जाए, कि समझाईश दी जाए। सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 96 हजार किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाया जा चुका है।

जन मन योजना के तहत बने पीव्ही टीजी आवासों में छत पर प्लाास्ट र करवाने की बात जिला प्रभारी मंत्री व्दा रा कही गई जिससे मकानों की उम्र को बढ़ाया जा सके। जन मन योजना के तहत बनाई गई आंगनबाड़ी केन्द्रो में पानी की व्यबवस्था। करने के निर्देश जिला प्रभारी मंत्री व?दारा दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि से यदि सोयाबीन, मक्काज, धान आदि की फसल खराब हुई है तो उसका एक सप्ताहि के अंदर सर्वे कराया जाए तथा एक सप्ता,ह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुतत की जाए। खाद वितरण में किसी किसान को परेशानी का सामना नही करना पडे इस बात पर विशेष जोर दिया जाए। पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने खाते में आने वाले समस्त प्रकार की पेंशनों का भौतिक सत्याटपन करवाने की बात कही।

प्रभारी मंत्री को श्रम विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि संबल योजना में जिले से 2 लाख 5 हजार 788 लोगो के व्दालरा पंजीयन कराया गया है। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार व्दा रा प्रारंभ की गई संबल योजना अति महत्वारकांछी योजना है। योजना के तहत आकस्मिक मृत्युप पर 2 लाख तथा दुर्घटना के कारण मृत्यु पर 4 लाख रूपये की मदद संबल योजना के तहत परिवार को उपलब्ध कराई जाती है। उन्होने अधिक से अधिक योजना का प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होने पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी से कहा कि अतिवृष्टि के कारण जहां पर सडक़ो पर गढ्ढे हो गये है, उसकी तत्काल मरम्मत की जाए, यदि वह सडक़ मरम्मत योग्ये नही है तो,उसका प्रस्ताव तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की जिम्मेदारी है तथा इसी इक्षाशक्ति से काम करने के लिए निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री ने पुलिस अधीक्षक से कहा कि 22 सितंबर से शारदेय नवरात्र का पर्व प्रारंभ हो रहा है। नवरात्र के समय गरबा मंडलियो के व्दातरा आयोजित होने वाले कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का व्यमवधान नही हो, इस पर ध्याानन रखा जाए। बैठक में कलेक्टकर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला प्रभारी मंत्री व्दारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन करने की बात कही।

प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक योजनाएं संचालितः प्रभारी मंत्री

बच्चों के भविष्य को संवारने प्रदेश सरकार कृत संकल्पितः विधायक

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के लिए सरकार व्दारा योजनाएं संचालित की जा रही है। बच्चों के भविष्य को गढऩे के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। बच्चों के शिक्षित होने पर ही सभ्य समाज की परिकल्पाना की जा सकती है। उक्त आशय के विचार प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान ने जिला मुख्यालय उमरिया के पीएम श्री शासकीय उमावि कॉलरी स्कूल में आयोजित सायकिल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होने कहा कि कक्षा 6 वीं एवं कक्षा 9वीं के बच्चों को स्कूस तक पहुंचने के लिए सायकिल वितरण की जा रही है।प्रदेश सरकार व्दारा शिक्षा को बढावा देने के लिए गणवेश, पाठ्य पुस्तक, स्कूल जाने के लिए सायकिल, मेधावी छात्रो को पढ़ाई के लिए लैपटाप तथा स्कू?टी प्रदाय की जा रही है ,ताकि बच्चे बिना किसी परेशानी के अपने अध्ययन का कार्य कर सके। उन्होने कहा कि बच्चे पढ़ लिखकर अच्छे नागरिक बने, और कैरियर बनाएं। बच्चे लक्ष्य निर्धारित करें तथा उसे पाने के लिए कडी मेहनत करें।

उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार सर्व वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। महिलाओ को लाडली बहना योजना के तहत 1250 रूपये उनके खाते मे अंतरित किए जा रहे है। किसानो को पीएम किसान सम्मान निधि योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। बच्चों को अच्छी शिक्षा कैसे प्राप्त हो, इसके लिए निरंतर रूप से योजनाओं को बनाकर उसका क्रियान्वयन सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होने सायकिल पाने वाले छात्र छात्राओ से कहा कि आप नियमित रूप से विद्यालय जाए तथा मन लगाकर अपने अध्ययन का कार्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल ने कहा कि सायकिल मिलने पर निश्चित रूप से बच्चे बिना किसी परेशानी के स्कूल पहुंचेगे और अपने अध्ययन का कार्य करेंगे। आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम रचे जा रहे है।जिसका परिणाम है कि बच्चे अब स्व यं प्रेरणा लेकर स्कूल तक पहुंच रहे है,और अपने अध्यापन का कार्य कर रहे हैं।उन्होने बच्चों से आव्हान करते हुए कहा कि आप सभी मन लगाकर पढे , और अच्छेह मुकाम पर पहुंचकर देश की सेवा करें। कलेक्टरर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि सरकार ने शिक्षा को बढावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की है जिनमे से एक है निशुल्कण सायकिल वितरण योजना। योजना के तहत कक्षा 6वीं के 1806 छात्रो में से 1338 को तथा कक्षा 9वीं के 3854 में से 2400 छात्रो को सायकिल वितरित की जा चुकी है। कालेज जाने के लिए जिले के 97 मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी का वितरण किया गया है। उन्होने बताया कि स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के दौरान विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। कार्यक्रम के दौरान स्कूटी पाने वाले छात्राओ की रैली निकालकर अन्य विद्यार्थियों को भी पढऩे के लिए प्रेरित किया जाएगा, कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री सहित अन्य अतिथियों ने बच्चों को माला पहनाकर अभिनंदन किया तथा 100 बच्चों को सायकिल वितरित की।

छात्रावासों का प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

बच्चे प्रभारी मंत्री को अपने बीच पाकर हुए भाव विभोर

उमरिया। प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याणप मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान ने ग्राम लालपुर स्थित नेता जी सुभाषचंद्र बोस बालक छात्रावास एवं एसएन छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। नेता जी सुभाषचंद्र बोस बालक छात्रावास के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि छात्रावास मे 100 बच्चेल रहते है। जिला प्रभारी मंत्री ने बच्चों से रूबरू चर्चा करते हुए उन्हें प्रदाय किए जा रहे भोजन, नाश्ते के संबंध मे पूछताछ की जिस पर उनके द्वारा गुणवत्तायुक्त भोजन मिलने की बात कही गई। इस दौरान उन्होंने बच्चों के कमरों में एग्जॉस्ट फैन,कंबल,चद्दर आदि की व्यवस्था शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

ग्राम लालपुर में ही सीडब्यूल एसएन छात्रावास के निरीक्षण के दौरान जब प्रभारी मंत्री बच्चोस के बीच पहुंचे तो बच्चेत भाव विभोर हो उठे, और उन्हेंम गले लगा लिया। जिला प्रभारी मंत्री ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बात की तथा उनकी भाषा में ही बच्चों से सवाल जवाब किए, जिनका उत्तकर बच्चों व्दारा दिया गया। इस दौरान उन्होने दिव्यांग बच्चों जैसे भान सिंह बडकरे मगरठगर जिला डिंडौरी, धनेन्द्र कोरी निवासी पडवार तथा शैलू कोल ग्राम जमुनी जिला शहडोल से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बच्चोंथ के कक्षों का भी निरीक्षण किया तथा आवश्य क दिशा निर्देश दिए।इस दौरान उन्होंने दिव्यांग शिक्षक जो ब्रेल लिपि बच्चों को पढना सिखाते हैं उनसे भी चर्चा की। इस अवसर पर कलेक्टिर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,जिला पंचायत उपाध्यमक्ष ओम नारायण सिंह,मिथिलेश मिश्रा, दीपक छत्तवानी उपस्थित रहे।

दशहरे के दिन कोतमा से मैहर तक निकलेगी पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर से मैहर तक पदयात्रा निकाली जाएगी यह यात्रा दशहरे के दिन 2 अक्टूबर को कोतमा नगर से माता रानी के रथ के साथ बाजे गाजे के साथ रवाना होगी। जिसको लेकर तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है। नगर की बस स्टैंड मां शैलपुत्री भक्त मंडल समिति के द्वारा यह पद यात्रा का आयोजन किया गया है समिति के धर्मेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि 3 वर्ष पूर्व 2021 में समिति के द्वारा कोतमा से मैहर तक पदयात्रा निकाली गई थी जिसमें हजारों से भक्तों ने हिस्सा लेते हुए कोतमा से पैदल मैहर तक की पैदल यात्रा की थी 3 वर्ष बाद बस स्टैंड शैलपुत्री भक्त मंडल समिति के द्वारा दशहरे के दिन माता रानी के रथ के साथ पूरे नगर में घूमते हुए शाम को मैहर के लिए रवाना होगी उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर को पदरथ यात्रा की शुरुआत नगर भ्रमण करते हुए फुनगा के लिए प्रस्थान करेगी 3 अक्टूबर को अनुपपुर चचाई अमलाई होते हुए 4 अक्टूबर को बुढार मे रात्रि विश्राम शहडोल मे सुबह नाश्ता के बाद दोपहर भोजन घुनघुटी मे रात्रि विश्राम 5 अक्टूबर को पाली होते हुए उमरिया मे रात्रि विश्राम 6 अक्टूबर को चंदिया खितौली होते हुए कुआं गांव विश्राम 7 अक्टूबर को बरही बदेरा गांव होते हुए भदनपुर मे रात्रि विश्राम 8 अक्टूबर को मैहर धाम पहुंचकर नगर भ्रमण प्रधान पुजारी पवन दाउ मैहर महराज द्वारा माता की महाआरती की जायेगी तत्पश्चात माता रानी के विसर्जन के बाद मैहर माता शारदा के दर्शन के बाद पदयात्रियों की वापसी कोतमा के लिए होगी। बता दे कि इस बार कोतमा नगर से दो समितियां के द्वारा माता रानी के रथ के साथ पदयात्रा निकाली जाएगी। इसके पूर्व 1987 मे पहली बार पदयात्रा का आयोजन किया गया था। उसके बाद 1990, 1993, 2015, 2021 मे पदयात्रा निकाली गई थी जो निरंतर इस बर्ष भी कोतमा से मैहर तक पदयात्रा निकाली जायेगी।

अमानक पॉलीथिन पर नहीं लगा प्रतिबंध, कार्यवाही की दरकार

पान की गुमटियों से लेकर होटलों में धड़ल्ले से हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शासन द्वारा पूरे प्रदेश में अमानक पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद भी नगरों में अभी तक इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं और न ही कोई कार्यवाही की जा रही है। साथ ही इस ओर जिम्मेदार अधिकारी अमानक पॉलीथिन के प्रति सजग नहीं दिख रहे हैं। कोतमा नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र में हर जगह पॉलीथीन का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। नगर से लेकर गांवों के किराना, होटल, सब्जी व्यापारी सहित फलों के ठेले वाले भी 40 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग कर रहे हैं।

बढ़ रहा प्रदूषण

प्रदेश में शासन द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को आदेश जारी किया गया था। आदेश में सभी को अपने-अपने क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादन, भंडारण, परिवहन, विक्रय और उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध करना और कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन इसके बाद भी कोयलांचल क्षेत्र में कार्यवाही नहीं हो रही है जिससे नगर के साथ-साथ पूरे कोयलांचल क्षेत्र में छोटे-बड़े व्यापारियों के साथ दुकानदार भी भारी मात्रा में अमानक पॉलीथिन का भंडारण किए हुए हैं जो आने वाले ग्राहकों को परोस रहे हैं। पॉलीथीन के बढ़ते चलन से जहां प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं बेजुबानों की जिंदगी भी खतरे में है।

कार्यवाही के नाम पर औपचारिकता

शहर को प्रतिबंधित पॉलीथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री करने जिम्मेदारी निकायों पर है। इसके परिपालन के लिए निकायों ने अलग-अलग टीम गठित कर रखी है स्वच्छता, निरीक्षक के साथ ही दूसरे नपा कर्मी इस टीम में शामिल हैं लेकिन उनकी कार्यवाहियां कुछ विक्रेताओं तक सीमित रहती हैं। हालांकि कभी कभार नगर पालिका अधिकारी-कर्मचारियों की टीम कार्यवाही के लिए सब्जी मंडी, डेयरी दुकान, किनारा स्टोर समेत अन्य जगहों पर औपचारिकता पूरी करते देखे जा सकते हैं। लेकिन उसके अलावा और भी होटल ढाबे संचालित है जहां पर जमकर सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है जिस पर विभाग द्वारा कार्यवाही करने को तैयार नहीं है।

प्रत्येक मजदूर को मिले 2 लाख रुपये बोनसः मजदूर नेता हरिद्वार सिंह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जमुना-कोतमा क्षेत्र में बोनस को लेकर मजदूरों की सरगर्मी तेज़ हो गई है। एटक यूनियन के मजदूर नेता हरिद्वार सिंह ने स्पष्ट कहा है कि इस बार प्रत्येक मजदूर को 2 लाख रुपये बोनस मिलना चाहिए। उनका कहना है कि कोल माइंस से कंपनी को लगातार मुनाफ़ा हो रहा है और अब मजदूरों को भी उसका लाभ दिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर विचार के लिए 22 तारीख को दिल्ली में की मानकीकरण समिति की बैठक आयोजित होगी। इस बैठक में प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन यानी सालाना बोनस को लेकर यूनियन नेताओं और प्रबंधन के बीच विचार-विमर्श किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि प्रयास किया जाएगा कि प्रत्येक मजदूर को 2 लाख रुपये बोनस मिले, क्योंकि यह उनकी मेहनत का असली हक़ है। हरिद्वार सिंह समय-समय पर मजदूरों की मांगें म्ब्र् कोल माइंस के उच्च अधिकारियों तक पहुँचाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि चारों यूनियन के नेता मजबूती से अपनी बात रखते हैं, तो प्रबंधन को यह मांग माननी ही पड़ेगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड बिजुरी का प्रारंभिक वर्ग संपन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) वार्ड क्रमांक चार में 12 सितंबर शाम से प्रारंभ होकर 14 सितंबर शाम तक प्रारंभिक वर्ग चला। खंड बिजुरी के 49 स्वयंसेवकों ने प्रारंभिक वर्ग में भाग लिया। खंड बिजुरी के साथ मंडल से आए हुए कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संपूर्ण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने इस प्रारंभिक वर्ग में हर्ष एवं उत्ससाह परिलक्षित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह आयोजन संपूर्ण वर्ष भर खंड के लिए बेहतर साबित होगा।

खबर संक्षेप

वैष्णोदेवी यात्रा के लिए 23 सितंबर तक आवेदन

कटनी। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत वैष्णोदेवी यात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह यात्रा 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। कटनी जिले के लिए इस यात्रा में कुल 279 बर्थ आवंटित किए गए हैं। यात्रा के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 सितंबर निर्धारित की गई है। वैष्णोंदेवी तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए नगरीय क्षेत्र के लिए नगर निगम आयुक्त, मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत (सभी) को यह जिम्मेदारी दी गई है। आवेदन पत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरूष और 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएँ आवेदन कर सकती हैं। आवेदकों को आवेदन पत्र के साथ समग्र आईडी, वोटर आईडी या आधार कार्ड की प्रतिलिपि देना अनिवार्य है। 65 वर्ष से अधिक आयु के आवेदक अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

प्रतिभा योजना के तहत मिलेगी प्रोत्साहन राशि

कटनी। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों से जनजातीय कार्य विभाग ने प्रतिभा योजना के तहत वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऐसे छात्र जिन्होंने जेईई मेन या एडवांस, नीट, क्लैट जैसी परीक्षाओं में सफल होकर आईआईटी, एम्स, एनडीए जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश लिया है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं। योजनांतर्गत जिन छात्रों के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से कम है, उन्हें 50 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। जबकि जिन छात्रों के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख से 10 लाख रूपये के बीच है, उन्हें 25 हजार रूपये दिए जाएंगे। इच्छुक छात्र एमपीटास पोर्टल पर पंजीयन उपरांत लॉगिन कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 सितंबर है।

जिपं की सामान्य सभा की बैठक 3 अक्टूबर को

कटनी। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 3 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत ने इस बैठक में कृषि विभाग, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पीआईयू, सहकारिता महिला एवं बाल विकास, वन, खनिज, नर्मदा घाटी, उद्योग,प्रधानमंत्री सड़क ,सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों और समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अपने विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यों की अद्यतन प्रगति की जानकारी सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 9 और 11 के लिए प्रवेश परीक्षा के आवेदन शुरू

कटनी। पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, बड़वारा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं और कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विद्यालय के प्राचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि इच्छुक और योग्य छात्र इन कक्षाओं में 'लेटरल एंट्री' के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2025 है। प्रवेश परीक्षा 7 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी।

हर्रवाह ग्राम में कीचड़ से सनी रोड, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

बरही। तहसील अंतर्गत ग्राम हर्रवाह में कई वर्षों से रोड खराब है बरसात के मौसम में कीचड़ से सन जाती है शंकर मंदिर से लेकर हनुमान मंदिर तक निकलना मुश्किल है स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है पंचायत के जिम्मेदार सरपंच सचिव का इस ओर ध्यान नहीं है की रोड की मरम्मत करवा दें।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

ब्यौहारी।

जिला अध्यक्ष बनने के बाद पहली पहुंचे जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत करके वाहन रैली निकाली वाहन रैली के बाद मंचीय कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन हरिशंकर कोरी ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संतोष शुक्ला पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य, विनोद ताम्रकार अध्यक्ष, पुष्पेंद्र पटेल हरिमोहन तिवारी, अशोक श्रीवास्तव, लाल बहादुर सिंह, हरेंद्र सिंह,ओम प्रकाश गुप्ता, राजकुमार शर्मा, लक्ष्मीकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी, चंद्रमा प्रसाद तिवारी, वनसुकली, ओपी शुक्ला अध्यक्ष जयसिंहनगर, शैलेंद्र सिंह, राजेश मिश्रा सहित 500 कार्यकर्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी न्यायालय में पेश

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर विधिकिरुद्ध बालक न्यायालय में पेश किया है। मामला 12 सितंबर 2025 का है, जब थाना जयसिंहनगर क्षेत्र की 16 वर्षीय पीड़िता अपने माता-पिता के साथ महिला थाना शहडोल पहुंची और लिखित आवेदन दिया। आवेदन में आरोप लगाया गया कि ग्राम का एक विधिकिरुद्ध बालक पिछले कई दिनों से उसके साथ जबरन गलत काम (दुष्कर्म) कर रहा था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी पर पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम गठित की गई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा गया। थाना प्रभारी जयसिंहनगर सहित महिला थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिसकर्मियों की सक्रियता से आरोपी को बाल न्यायालय प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मप्र शिक्षक संघ जिला इकाई अनूपपुर की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

14 सितंबर को विकास खण्ड जैतहरी इकाई के अनुरोध पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई अनूपपुर की बैठक शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी के सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सदस्यता अभियान के अंतर्गत समस्त इकाइयों को दी गई रसीद बंदियों को जमा करने के सम्बन्ध में रखी गई थी। इसमें भरी एवं खाली रसीद बंदियों को राशि एवं सदस्यता सूची के साथ जमा करने का आग्रह पूर्व में किया गया था। बैठक में विकासखंड अनूपपुर जैतहरी पुष्पराजगढ़ नगर इकाई अनूपपुर कोतमा के सभी सदस्य उपस्थित हुए। बैठक का प्रारंभ मां वीणा वादिनी मां सरस्वती का स्मरण करते हुए सर्व प्रथम संभागीय संगठन मंत्री डॉ नरेन्द्र पटेल ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही दिनांक 15 सितंबर को माननीय प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन देने हेतु भारी संख्या में उपस्थित होने के लिए आग्रह किया। बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के प्रदेश संयोजक अनिल कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि जिला अध्यक्ष अतिशीघ्र संभाग कार्यकारिणी को रसीद बंदियों के साथ सूची एवं राज्यांश की राशि शीघ्र भेजें। जिला अध्यक्ष संजय कुमार निगम ने अपने उद्बोधन में बताया कि जिला अंतर्गत जितनी भी शिक्षकीय समस्याएं हैं उससे ब्लॉक इकाई जिले को अवगत करावें जिससे उन समस्याओं के निदान के लिए अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। कार्यक्रम में संभागीय कोषाध्यक्ष रामकुमार राठौर तहसील अध्यक्ष जैतहरी श्रीमती केशकली राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जैतहरी विकासखंड इकाई के अध्यक्ष संत को संतोष कुमार यादव के द्वारा किया गया।

रामपुर बटूरा खदान में रोड सेल पर मनमानी वसूली, ट्रांसपोर्टर परेशान

धनपुरी। रामपुर बटूरा खदान में संचालित रोड सेल इन दिनों विवादों में है। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि यहां से कोयला उठाने के दौरान उनसे मनमाना पैसा वसूला जा रहा है। प्रति ट्रक लगभग 700 रुपए तक अतिरिक्त वसूली की जाती है और इसके एवज में बेहतर गुणवत्ता वाला कोयला देने की बात कही जाती है।ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि इस व्यवस्था से उनका खर्चा और बढ़ गया है। पहले से ही बढ़े डीजल और ऑपरेशन लागत के बीच यह अवैध वसूली उनकी जेब पर भारी पड़ रही है। उनका आरोप है कि प्रबंधन की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है, वरना बिना सहमति के इतनी बड़ी रकम की वसूली संभव नहीं है।स्थानीय लोगों का कहना है कि खदान में यह सब लंबे समय से जारी है। रोड सेल के नाम पर अच्छा-खासा कमीशन वसूला जाता है, जिससे ट्रांसपोर्टरों को मजबूरी में पैसा देना पड़ता है। वहीं प्रबंधन की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना रही है।ट्रांसपोर्टरों ने प्रशासन से इस पर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है ताकि मनमानी वसूली पर रोक लगे और उन्हें राहत मिल सके।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

शराबी डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने सिविल अस्पताल की शर्मनाक घटना को लेकर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आनंद सिंह पटेल ने प्रसूता महिला के परिजनों के साथ शराब के नशे में मारपीट और गाली-गलौज की। पुलिस में शिकायत और एसपी तक गुहार लगाने के बावजूद कार्रवाई न होने से आक्रोश बढ़ा और आंदोलन की चेतावनी दी गई।

डॉक्टर ने की मारपीट और अभद्रता

ज्ञापन में बताया गया कि 11 अगस्त 2025 को कन्नड़ी खुर्द निवासी प्रसूता देववती सिंह को प्रसव पीड़ा होने पर सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में भर्ती कराया गया। महिला के साथ उसके परिजन हेतराम सिंह, बिहारी सिंह, मुन्नी बाई और अन्य मौजूद थे। आरोप है कि 12 अगस्त की रात करीब 11 बजे अस्पताल में पदस्थ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आनंद सिंह पटेल शराब के नशे में 5-6 साथियों के साथ पहुंचे और प्रसूता के परिजनों के साथ मारपीट व गाली-गलौज की।

पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

पीड़ितों ने घटना की शिकायत तुरंत जैसीनगर थाना में दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 14 अगस्त को पुलिस अधीक्षक शहडोल को लिखित शिकायत सौंपी गई। बावजूद इसके अब तक डॉक्टर के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस उदासीनता को लेकर परिजनों और स्थानीय नागरिकों में गहरी नाराजगी है।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा ने एसडीएम जयसिंहनगर के माध्यम से राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में मांग की कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए। आरोपी डॉक्टर आनंद सिंह पटेल को तत्काल पद से हटाया जाए। अस्पतालों में शराबखोरी और गुंडागर्दी जैसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई हो।

कड़ा कदम उठाने की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि दोषी डॉक्टर पर कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सिविल अस्पताल जैसी संस्थाओं में इस तरह की घटनाएं जनता की आस्था और विश्वास को तोड़ती हैं। ऐसे चिकित्सक स्वास्थ्य व्यवस्था पर कलंक हैं और प्रशासन को कठोर रुख अपनाना होगा।

बाल विवाह समाज के लिए अभिश्राप -महंत अर्जुन दास

श्री राम जानकी मंदिर बुढ़ार में बालविवाह मुक्त भारत का संकल्प

शहडोल।

गत दिवस राम जानकी मंदिर बुढ़ार में आयोजित हुआ बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प कार्यक्रम।बाल विवाह की रोक-थाम के लिए आजजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की सहयोगी संस्था होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट ग्लोबल इंटरफेथ वीकेंड के अंतर्गत बाल विवाह के समाप्ति हेतु धर्म गुरुओं से संदेश प्रसारित करने के लिए इस सप्ताहांत यह विशेष अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर रामजानकी मंदिर बुढ़ार के महंत श्री अर्जुन दास जी महाराज ने संदेश देते हुए कहा कि बाल विवाह हमारे समाज मे एक अभिश्राप है । समाज के सभी सजग नागरिकों को एक साथ मिलकर इस कुरीती को समाज से दूर करने के लिए आगे आना होगा । मैं आह्वान करता हूँ कि सभी इस अभियान में जुड़े और बाल विवाह मुक्त भारत बनाने में सहयोग करें । कार्यक्रम में रामजानकी मंदिर बुढ़ार के पुजारी चंडिका प्रसाद पाठक , किरण किशोर द्विवेदी की सादर उपस्थिति रही। उक्त आशय की जानकारी देते जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ॥रक्रष्ठ संस्था के डायरेक्टर शुशील शर्मा ने बताया कि दिनांक 12 से 14 सितंबर 2025 तक इस अभियान के अंतर्गत शहडोल संभाग के सभी प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में धर्म गुरुओं के साथ इस कार्यक्रमों को आयोजित कर बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने में विजय द्विवेदी, अजय गुप्ता एवं मुन्ना गुप्ता का विशेष योगदान रहा है। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता भूपेंद्र त्रिपाठी ने किया ।

आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल को मिली नई मजबूती

एमडी रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कौशिक शामिल

शहडोल।

जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा और मजबूती देने के लिए आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आज एमडी रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कौशिक का जुड़ाव हुआ। उनके आने से अस्पताल की डायग्नोस्टिक क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। खासतौर पर अब 24 घंटे सोनोग्राफी और सीटी स्कैन सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को समय पर और सटीक जांच मिल सकेगी।

डॉ. कौशिक की विशेषज्ञता अस्पताल की इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर सेवाओं को और सशक्त बनाएगी। इससे गंभीर स्थिति वाले मरीजों के लिए बेहतर और त्वरित उपचार सुनिश्चित होगा। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि इस नए कदम से शहडोल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश स्तर पर भी एक नई पहचान मिलेगी। आदित्य हॉस्पिटल पहले से ही अपनी उन्नत सुविधाओं के लिए जाना जाता है। यहां 25 बेड का आईसीयू और 6 आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। साथ ही, अस्पताल में न्यूरोसर्जन और कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर 24&7 सेवाएं दे रहे हैं। इको की सुविधा भी चौबीसों घंटे मौजूद है, जिससे हृदय रोगियों को तुरंत लाभ मिलता है। अस्पताल में मौजूद आधुनिक उपकरण और क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट की विशेष सुविधाएं इसे जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्रों से अलग पहचान दिलाती हैं। आदित्य हॉस्पिटल की यही विशेषता है कि यह मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं देने में हमेशा अग्रणी रहा है।

अस्पताल के संस्थापक डॉ. आदित्य द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा, शहडोल मेरी जन्मभूमि है और यहां के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना मेरा संकल्प है। हमारा प्रयास है कि जिले के लोगों को बड़े शहरों पर निर्भर हुए बिना, यहीं आधुनिक चिकित्सा सेवाएं मिलें। गौरतलब है कि आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल जिले का एकमात्र ऐसा संस्थान है, जिसका रेलवे, कोल इंडिया, एसईसीएल और आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख संस्थाओं के साथ टाईअप है। इसके अलावा, यह अस्पताल सभी बीमा और टीपीए कंपनियों से भी जुड़ा हुआ है। इससे मरीजों को उपचार के लिए वित्तीय सहयोग और पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आदित्य सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की सुविधाओं से अब गंभीर बीमारियों के लिए बड़े शहरों की दौड़ कम होगी। जिले के मरीजों को त्वरित जांच और इलाज का भरोसा मिलेगा। विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक तकनीक से लैस यह अस्पताल, शहडोल वासियों के लिए सचमुच एक नई उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है।

सामाजिक सेवा की मिसाल बने पार्षद सिल्लू रजक

गंभीर रूप से घायल 80 वर्षीय बुजुर्ग को मिला नया जीवन

शहडोल।

बंधवाबारा रेलवे स्टेशन पर उपेक्षित और बेसहारा जीवन जी रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग शंकर बाबा यादव को स्थानीय समाजसेवियों और पार्षद सिल्लू रजक ने नया जीवन दे दिया। सीढ़ियों के नीचे असहाय हालत में पड़े इस बुजुर्ग को देख कर किसी की भी आंखें भर आतीं। समाजसेवियों ने तुरंत मानवता का परिचय दिया, उन्हें अस्पताल पहुंचाया और उनके इलाज व देखभाल का जिम्मा उठाया।

तिल-तिल कर टूट रही थी जिंदगी

बंधवाबारा रेलवे स्टेशन की भीड़भाड़ के बीच सीढ़ियों के नीचे शंकर बाबा यादव का जीवन धीरे-धीरे खत्म हो रहा था। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के खतघोरा गांव के निवासी शंकर बाबा 24 साल पहले यहां आए और यहीं ठहर गए। पहले वे भिक्षा मांगकर किसी तरह पेट पाल लेते थे, लेकिन कुछ समय पूर्व पुल से गिरने के कारण उनकी दोनों कलाइयों की हड्डियां टूट गईं। चलने-फिरने की ताकत भी जवाब दे गई और वे पूरी तरह असहाय हो गए।

मानवता के प्रहरी बने समाजसेवी

जैसे ही उनकी स्थिति की खबर समाजसेवियों को लगी, वे मौके पर पहुंचे। नंदी गौ सेवा धाम से जुड़े समाजसेवियों ने बुजुर्ग की हालत देखी और तुरंत 108 एंबुलेंस बुलाकर उन्हें जिला अस्पताल शहडोल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद पुष्टि की कि दोनों हाथों की हड्डियां टूटी हैं। फिलहाल प्राथमिक उपचार कर सपोर्ट बांधा गया है और जल्द प्लास्टर किया जाएगा।

पार्षद सिल्लू रजक की अग्रणी भूमिका

इस नेक कार्य में पार्षद सिल्लू रजक सबसे आगे रहे। उनके साथ प्रिंस विश्वकर्मा, विकास जोतवानी, लकी वर्मा, खुशी सोनी, श्याम बहादुर सिंह और अन्य लोग भी शामिल रहे। इन सभी ने न केवल बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया बल्कि यह भी वादा किया कि आगे के इलाज और देखभाल की जिम्मेदारी वे सामूहिक रूप से निभाएंगे।

समाज के लिए बड़ा संदेश

इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मानवता आज भी जिंदा है। जिस बुजुर्ग ने जिंदगी का लंबा सफर अकेले काटा और अंत में असहाय हो गया, उसके सहारे समाज बना। यह संवेदनशील कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल है। यह संदेश भी साफ है कि बेसहारा बुजुर्गों का सहारा बनना केवल सरकार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है।

करोड़ों की लागत से बने स्वास्थ्य केंद्र का हस्तांतरण अटका

अनूपपुर। मेडियारास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेडियारास का निर्माण 295.45 लाख रुपये की लागत से लोक निर्माण विभाग (भवन) अनूपपुर द्वारा किया गया था। तय समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य 31 जुलाई को पूर्ण भी कर लिया गया। लेकिन आज दिनांक तक यह भवन स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित नहीं किया गया है। निर्माण एजेंसी ने अपना स्टाफ भी हटा लिया है जिससे भवन खाली पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हस्तांतरण में देरी से भवन को क्षति या चोरी का खतरा बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का तर्क है कि उनके पास पर्याप्त डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की कमी है इसलिए वे भवन लेने में आनाकानी कर रहे हैं। आमजनता का कहना है कि जब स्टाफ ही उपलब्ध नहीं है तो करोड़ों रुपये का भवन बनाने का कोई अर्थ नहीं निकलता। जनता का यह भी कहना है कि शासन द्वारा समय पर भवन तो बना दिया गया लेकिन आज भी क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य सुविधा से वंचित हैं। यह लापरवाही न केवल शासन के धन का अपव्यय है बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य अधिकारों से भी खिलवाड़ है।

अज्ञात कारण से युवक की अस्पताल पहुंचने के पूर्व मौत

अनूपपुर। रविवार की दोपहर कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत पशु चिकित्सा विभाग में पदस्थ पिपरिया गांव के 44 वर्षीय युवक की अज्ञात कारण से घर के पास ही बेहोश हो जाने पर ग्रामीणो एवं परिजनो द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पहुंचने की पूर्व ही मृत्यु हो गई, घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा कार्यवाई की जा रही है। घटना के संबंध में ग्रामीण एवं परिजनों ने बताया कि 44 वर्षीय झल्लू कोल पिता झगरू कोल जो पशु चिकित्सा विभाग अनूपपुर में पदस्थ है रविवार की दोपहर पिपरिया गांव में अपने घर के पास बैठा रहा तभी अचानक अज्ञात कारण से बेहोश हो गया जिसे गांव के नागरिक संतोष पटेल अन्य ग्रामीणों एवं परिजनों के साथ अपनी कार में बेहोश स्थिति में झल्लू कोल को जिला चिकित्सालय ला कर इयूटी डॉक्टर से परीक्षण कराया परीक्षण पर डॉक्टर ने झल्लू कोल की अस्पताल पहुंचने के पहले ही मृत्यु हो जाने की बात बताते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिसचौकी को दिए जाने पर पुलिस के द्वारा ग्रामीणों एवं परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को शव सौप कर जांच की, मृतक की मृत्यु का वास्तविक कारण पीएम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट तौर पर पता चल सकेगा।

आज किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम को संबोधित करेंगे नेता प्रतिपक्ष

अनूपपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार अनूपपुर जिले का एक दिवसीय दौरा 15 सितंबर को किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम में शामिल होगे। जो रविवार रात 9 बजे अमरकंटक पहुंचेंगे जहां रात्रि विश्राम करेंगे। जिला कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष ने रमेश सिंह ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एक दिवसीय दौरे पर अनूपपुर जिले में किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम में शामिल होगे। नेता प्रतिपक्ष सोमवार की सुबह 10 बजे माँ नर्मदा के दर्शन और पूजा-अर्चना से शुरू होगा। दोपहर 1 बजे पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के राजेन्द्रग्राम में कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2:30 बजे जैतहरी में जिला कांग्रेस अनूपपुर द्वारा आयोजित किसान न्याय यात्रा और वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शाम 4:15 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर में होगा। जहां वह जनता से मुलाकात करेंगे और पत्रकारवार्ता को संबोधित करेंगे।

सरपंच-सचिव ने जनपद सदस्य से मिलकर कागज में बना दिया खेल मैदान

ग्राम उमरिया मे 'खेल मैदान' नहीं बल्कि बन रहा 'भ्रष्टाचार का मैदान'

डकार गए निकाली गई राशि, अमानत में खयानत का बड़ा मामला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाएं तो हैं, लेकिन उन्हें जरूरी संसाधनों का अभाव है। कमजोर आर्थिक स्थिति और संसाधनों की कमी के कारण इन प्रतिभाओं का सही विकास नहीं हो पाता। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और उन्हें अवसर प्रदान करने के लिए ग्रामीण खेल मैदान योजना लागू की गई है। हालांकि, इस योजना का लाभ वास्तविकता में कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित रह गया है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान तो बन गए हैं, लेकिन वे अधूरे हैं, वहीं कुछ जगहों पर तो खेल मैदान कागजों तक ही सीमित रह गए हैं और भ्रष्टाचार का शिकार हो गए हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत उमरिया में सामने आया है।

सरपंच व जनपद सदस्य ने किया खेला

जिले में ग्रामीणों को स्वस्थ बनाने के लिए बनाए जाने वाले खेल मैदानो की सेहत निर्माण के शुरूआत के साथ ही शुरू हुये भ्रष्टाचार से खराब होती दिख रही हैं। जिसका उदाहरण जिले के विकास खण्ड जैतहरी के ग्राम उमरिया मे देखने को मिला। यहां लगभग 6 लाख 50 हजार रुपये से बनने वाले खेल मैदान में सभी मानकों को दरकिनार कर कार्य चल रहा है। यहां खेल मैदान बनाने की जिम्मेदारी पंचायत को दी गई, लेकिन एक महिला जनपद सदस्य के साथ सरपंच व सचिव ने मिलकर अमानत मे खयानत कर दिया, पंचायत ने पूरा खेल मैदान बनाया नहीं और खाते से पैसा निकाल लिया गया। आरोप है कि सरपंच, सचिव व जनपद सदस्य तीनों ने मिलकर खेल मैदान की राशि का बंदरबांट कर लिया है।

पंचायत ने लांघी भ्रष्टाचार की सभी सीमा

जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया मे भ्रष्टाचार चरम पर है। यहां खेल मैदान बनाने के नाम पर भ्रष्टाचार की सीमा लांघ दी गई और जिम्मेदारों को कानो कान खबर तक नही हुई। खेल मैदान मे पंचायत के जिम्मेदारों ने लगभग चार लाख रूपये के भारी भरकम राशि का घोटाला किया है। जानकारी के मुताबिक खेल मैदान उमरिया के सरपंच व एक महिला जनपद सदस्य ने मिलकर बनवाया है, उक्त कार्य के लिए सरकारी मद से 15वें वित्त मे जनपद द्वारा 6 लाख 50 हजार रूपये स्वीकृत हुआ है। खेल मैदान बनाने के लिए जिम्मेदारों द्वारा बाहर से मिट्टी लाकर डाल दी गई है वही रोलिंग कराना भी मुनासिब नही समझा गया। इसके अलावा मजदूरों को मजदूरी भुगतान न कर इनके द्वारा वेंडर को भुगतान किया गया है जो अपने आपमे बड़े घोटाले की ओर इंगित करता है। यहां कागजों में ही खेल मैदान का निर्माण हो गया, जबकि धरातल पर योजना के अनुसार कुछ भी नहीं दिखाई दिया।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 'विकास'

उमरिया में विकास कार्यों में मनमाने तरीके से अनियमितता और अनुपयोगी कार्य कराके जहां सरकारी बजट को चूना लगाया जा रहा है, वहीं पंचायत प्रतिनिधि हर काम में कमाई के चक्कर में कायदे कानून ताक पर रखकर कायदे कानून के पालन से बेपरवाह हैं। उन्हें न जांच की चिंता है, न अधिकारियों का डर है। यहां पहले भी ऐसे तमाम काम कराए गए, जिनमें कमाई का रास्ता नजर आया। यहां तक कि कई अनुपयोगी काम भी करा दिए गए हैं, ऐसे तमाम निर्माण कार्य कराकर जिम्मेदारों ने अपना-अपना हिस्सा तो ले लिया पर ये निर्माण कार्य अनुपयोगी पड़े-पड़े बर्बादी की कगार पर हैं। मनरेगा के काम मशीनों से कराकर फर्जी मस्टर भरे जा रहे हैं।

डोला में भालू का आतंक, कई सूचना के बावजूद वन विभाग की नहीं टूट रही नींद

13 वर्षीय बच्ची पर हमले के बाद दहशत में वार्डवासी

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद डोला क्षेत्र में लगातार भालुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन वार्डों में भालुओं के घुसने और लोगों पर हमला करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताज़ा मामला वार्ड क्रमांक 4 का है, जहाँ रविवार सुबह करीब 4:45 बजे भालू ने 13 वर्षीय रागनी राजभर पर हमला कर दिया। घायल बच्ची को मनेन्द्रगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसके शरीर पर सात टांके लगे। फिलहाल उसका उपचार जारी है और परिवार भयभीत है।

रतजगा को मजबूर वार्डवासी

स्थानीय नागरिकों का कहना है, कि कई बार भालू रात में घरों में घुसकर तोड़फोड़ करते हैं, और सामने आने पर हमला कर देते हैं। अब हालत यह है कि लोग अंधेरा होते ही घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि हम रोज डर के साये में जी रहे हैं, ना बच्चों को सुरक्षित छोड़ सकते हैं, ना खुद चैन से सो पाते हैं। नागरिकों ने कई बार वन विभाग के अधिकारियों और जिले के उच्च अधिकारियों को सूचना दी। यहाँ तक कि स्थानीय पत्रकारों ने भी बार-बार खबरों के माध्यम से प्रशासन को आगाह किया। इसके बावजूद वन विभाग सिर्फ़ आश्वासन देता रहा, लेकिन कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

वार्ड पार्षद ने लिखा पत्र "जनता को बचाइए"

वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमति प्रियंका सिंह ने वन विभाग को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि नगर मे शाम होते ही भालुओं का आतंक बढ़ जाता है जिससे हमारे वार्ड सहित समुचा डोला नगर भालू के डर से भयभीत है जिसे तत्काल पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि नगर के लोगों की जान-माल की रक्षा हो सके। पार्षद ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो जनता आंदोलन का रास्ता अपनाएगी। गौरतलब है कि हर बार वन विभाग यह कहकर पल्ला झाड़ लेता है कि "भालू छत्तीसगढ़ से आ रहा है", जबकि छत्तीसगढ़ का वन विभाग इसे मध्यप्रदेश का बता देता है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा का यह खेल आखिर कब तक चलेगा? जनता सवाल कर रही है कि प्रशासन कब जिम्मेदारी लेगा और कब शुरू होगा आदमखोर भालू का रेस्क्यू आपरेशन। स्पष्ट है कि डोला में वन विभाग और प्रशासन की लापरवाही के कारण जनता दहशत में जी रही है। यदि जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

इनका कहना है

भालू की संख्या ज्यादा है रेस्क्यू करने में दिक्कत होती है फिर भी हम रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारी को सौंपेंगे जल्द ही कुछ न कुछ निराकरण किया जाएगा।

विपिन कुमार पटेल, वन मण्डलाधिकारी
वन विभाग अनूपपुर

जिला स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर में संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विद्यार्थियों में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति लगाव व्यक्त कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय मोगली प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के विवेकानंद सभागार में 13 सितंबर को संपन्न हुआ। इस क्विज प्रतियोगिता में अनूपपुर जिले के चार विकास खंडों से 16 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन वरिष्ठ वर्ग और कनिष्क वर्ग से किया गया। वरिष्ठ वर्ग में जैतहरी ब्लॉक से बालभारती विद्यालय जैतहरी के बालक और बालिका दोनो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कनिष्क वर्ग में केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर के छात्र एवं कोतमा ब्लॉक शा. मा. विद्यालय बेसिक कोतमा की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों ही वर्गों के प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी राज्य स्तरीय मोगली क्विज प्रतियोगिता के लिए पेंच राष्ट्रीय अभ्यारण सिवनी के लिए दिनांक 26 अक्टूबर को रवाना होंगे जहां पर 27 से 29 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के पर्यावरण संरक्षण को बचाने एवं मध्यप्रदेश से सम्बन्धित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को सवाल जिला क्विज मास्टर शिवदत्त पाण्डेय एवं हेतराम साहू द्वारा पूछे गए जिसका उन्होंने बड़े बेवाकी से जवाब दिया। इस दौरान राज्य स्तरीय विजेता प्रतिभागियों को पुरुष्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर तुलाराम आर्मो एवं शा.उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के वरिष्ठ व्याख्याता राकेश कुमार बांधवा के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने अतिथि उद्बोधन में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी को अपने प्रकृति से प्रेम करना चाहिए तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सदा प्रयासरत रहना चाहिए। यह प्रतियोगिता इको क्लब के मास्टर ट्रेनर देवेश सिंह बघेल के मार्गदशन मे कार्यक्रम का संचालन जिला क्विज मास्टर शिवदत्त पाण्डेय शासकीय हाई अमिलिहा द्वारा किया गया।

विभिन्न मांगों को लेकर आज बिजली आउटसोर्स कर्मी कलेक्टर, सांसद व विधायकों को सौंपेंगे ज्ञापन

मांगें नहीं माने जाने पर धनतेरस से दीपावली तक काम बंद आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मप्र के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों ने धनतेरस से दीपावली तक प्रस्तावित काम बंद आंदोलन को लेकर म.प्र. के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, सांसद, विधायकों को ज्ञापन सौंपने संबंधी अभियान शुरू कर दिया गया है। यह अभियान बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद भदौरिया के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। ज्ञापन में प्रमुख मांगे हैं जिनमे म.प्र. की सभी छह बिजली कंपनी में जो निकट भविष्य में करीब 50 हजार रिक्त पदों को मौजूदा एवं सेवा से पृथक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों की विभागीय परीक्षा लेकर उसी प्रकार भरा जाए जैसे ठेका प्रथा लागू होने से पहले पिछले 50 सालों में बिजली डेली वेजेस मस्टर कर्मियों को कच्चे से पक्का किया जाता रहा। इस 50 हजार की भर्ती के बाद भविष्य में होने वाली सीधी भर्ती में अतिथि शिक्षकों की तर्ज पर 50 प्रतिशत पद ऊर्जा विभाग राजपत्र के जरिए बिजली आउटसोर्स कर्मियों को आरक्षित करे व छोटे पद बना कर रेगुलर करें। तमिलनाडु की तर्ज पर मप्र में मुख्य कार्य सीधी भर्ती से कराएं। मप्र के राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद राजपत्र क्रमांक 494 दिसम्बर 2020 के मुताबिक बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया उसे उसी तिथि से लागू कर 57 माह की 11.67 प्रतिशत की दर से बोनस एरियर राशि हर ठेका श्रमिक को दी जाए, केंद्र सरकार के आउटसोर्स कर्मियों के बराबर मप्र के आउटसोर्स को न्यूनतम वेतन दें, पिछले 20 सालों के दौरान म. प्र. में मिनिमम वेजेस 5 साल की जगह हर बार 9 साल में रिवाइज हुआ, इस घाटे की भरपाई एडिशनल वेजेस देकर की जाए। भाजपा विधानसभा चुनावी संकल्प पत्र के पृष्ठ 81 पर अमल कर आउटसोर्स को संविदा का दर्जा व संविदा समान सुविधा दें। मप्र में ठेकेदारी कल्चर समाप्त कर आउटसोर्स रिफॉर्म नीति बनाई जाए, बिजली कंपनी का निजीकरण नहीं किया जाए। ठेकेदार व बिचौलियों को हटाकर हरियाणा, आंध्र प्रदेश व उप्र राज्य की तर्ज पर मप्र आउटसोर्स सेवा निगम बनाए, 5 वर्ष से अधिक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों को उड़ीसा राज्य की तर्ज पर एक हजार रुपए अतिरिक्त पारिश्रमिक भत्ता दें। कम्प्यूटर व सब स्टेशन संयंत्र ऑपरेटर को कुशल की जगह उच्च कुशल श्रेणी का वेतन दिया जाए, रात्रि पाली में काम करने पर रात्रि भत्ता दें, 10 प्रतिशत आउटसोर्स हेल्पर की जगह सभी आउटसोर्स लाइन हेल्पर , विद्युत सहायक, संयंत्र व सब स्टेशन ऑपरेटरों को जोखिम भत्ता दें। वर्ष 2006 में ठेका प्रथा प्रारंभ होने से लेकर अब तक विद्युत दुर्घटना में मरे व विकलांग ठेका श्रमिकों के परिजनों को बिना शर्त मुआवजा दें एवं मौजूदा मुआवजा राशि 4 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की जाए एवं विद्युत दुर्घटना मृतक के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाये।

कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेने पर होंगे विवश

ज्ञापन में कहा गया कि नियमित कर्मियों की भांति आउटसोर्स कर्मी 62 वर्ष तक सेवा में रखे जाएं , पूर्व में या आंदोलन के दौरान हटाए गए आउटसोर्स कर्मी बिना शर्त वापिस रखे जाएं। प्रत्येक आउटसोर्स कर्मी को एक वर्ष में 15 आकस्मिक अवकाश, साप्ताहिक अवकाश, 10 मेडिकल अवकाश एवं सभी राष्ट्रीय त्योहारों पर काम के एवज में एडिशनल वेजेस दिया जाए, मध्यक्षेत्र कंपनी में आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटरों को सीपीसीटी पास करने की बाध्यता समाप्त कर इसे एच्छिक किया जाए। अल्प वेतन पाने वाले ठेका श्रमिकों को 5 कि.मी. से अधिक दूर ट्रांसफर नहीं किया जाए एवं मध्यक्षेत्र कंपनी ने जून 2025 के दौरान एक ही दिन में 9800 से अधिक आउटसोर्स कर्मियों के ट्रांसफर 10 से 40 कि. मी. दूर किए हैं वह निरस्त किए जाएं। बढ़ा हुआ न्यूनतम वेतन एरियर राशि कम देने या नहीं देने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उन पर पेनाल्टी लगाई जाए एवं ठेकेदारों की मौजूदा बैंक गारंटी व सुरक्षा निधि राशि 5 गुना बढ़ाई जाए। विद्युत सहायक बनाए गए मीटर रीडर का 5 लाख का बीमा बिजली कंपनी कराए, जिन सब स्टेशनों में रिलीवर ऑपरेटर नहीं हैं वहां रिलीवर ऑपरेटर पदस्थ हों एवं उन्हें अन्य कामों में नहीं लगाया जाए, बिजली आउटसोर्स की प्राइवेट सेवा पुस्तिका बनाई जाए। आए दिन बिजली तार व मीटर चोरी होने एवं मारपीट की वारदातों की रोकथाम हेतु म. प्र. के प्रत्येक वितरण केंद्र व सब स्टेशन में सुरक्षा गार्ड, हेल्पर की तैनाती की जाए। श्री भार्गव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगे नही मानी तो धनतेरस से दिपावली तक कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेने पर विवश होंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह ने किया जिले की सीमा के अंतिम पंचायत का दौरा
पंचायत मे ग्रामीणों की सुनीं समस्या

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के अंतिम छोर की ग्राम पंचायत मुड़धोवा मे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह ने शनिवार को दौरा कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया और समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान के लिए तत्काल निर्देश दिए। बैठक में ग्रामीणों ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे अध्यक्ष के समक्ष रखे। इनमें कैलाश घाट से बंजारटोला तक ग्रेवल मार्ग निर्माण, ग्राम बंजारटोला में विद्युतीकरण, ग्राम मुड़धोवा में कोमल यादव के घर से स्कूल तक पीसीसी रोड निर्माण, सुधा द्विवेदी के घर से मेन रोड तक पीसीसी रोड, हरिजन मोहल्ले में पीसीसी रोड, ब्राह्मण मोहल्ले में सांस्कृतिक मंच निर्माण, नल-जल योजना की पानी टंकी की मरम्मत एवं प्राथमिक विद्यालय मुड़धोवा को माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन जैसी मांगें प्रमुख रहीं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत संज्ञान लेने और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की मांगों और शिकायतों का त्वरित समाधान ही मेरी प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों का विकास तभी संभव है जब हम जनता की समस्याओं को प्रत्यक्ष सुनकर उनके निराकरण की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। बैठक में जनपद अनूपपुर सीईओ रवि ग्वाल, समाजसेवी एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. राव, जिला कांग्रेस के महामंत्री नरेन्द्र सिंह, कांग्रेस नेत्री श्रीमती नूपुर चटर्जी, सरपंच मान कुमारी सिंह, सचिव राजूराम जोशी, देवगवां सरपंच किरण सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष के इस दौरे को सराहते हुए कहा कि उनके सीधे संवाद से विकास कार्यों की गति बढ़ेगी और समस्याओं के समाधान की राह आसान होगी।

मां का दरबार सजने के पूर्व तैयारियां जोरों पर, मूर्तिकार मूर्तियों को दे रहे अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। नवरात्र शुरू होने में आठ दिन शेष बचे हैं। मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को भव्य रूप देने में जुटे हैं। कोतमा नगर में मूर्तिकार पिछले बीस वर्षों से मूर्तियां बनाने का काम कर रहे हैं। दुर्गा प्रतिमा की स्थापना के लिए समितियों की ओर से मूर्तियों की बुकिंग भी प्रारंभ हो गई है। 22 सितम्बर से शुरू होने वाले नवरात्र पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। मां दुर्गा की प्रतिमाओं को भव्य रूप देने के लिए मूर्तिकार दिन-रात काम में जुटे हुए हैं। मूर्तिकारों ने बताया कि वह स्वयं मूर्ति बना रहे हैं। समय से लोगों को मूर्तियां देने के लिए काम जोरों पर किया जा रहा है। नगर में शारदीय नवरात्र पर्व की तैयारियां जोरों पर है। नवरात्र पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। दुर्गा पूजा समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। दुर्गा प्रतिमा तैयार करने में मूर्तिकार और पूजा पंडाल को आकर्षक बनाने में समिति के सदस्य लगे हुए हैं। शारदीय नवरात्र में शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की पूजा होगी। नगर में आकर्षक पंडाल बनाने की तैयारी चल रही है। समिति के सदस्य दुर्गा प्रतिमाओं की बुकिंग किए हैं।

उत्साह से चल रही पूजा पंडाल सजाने की तैयारियां- नगर में शारदीय नवरात्र पर्व की तैयारियां जोरों पर है। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भरपूर उत्साह है। नगर में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर दुर्गा

प्रतिमा स्थापित करने के लिए पंडाल बनाने का काम शुरू हो गया है। नगर के मठ मंदिरों में साफ सफाई रंग रोगन का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मूर्तिकार रमेश पाल ने बताया कि इस बार उन्होंने मां दुर्गा की 140 छोटी-बड़ी प्रतिमा मिलकर बनाई है। 5 फीट से लेकर 10 फीट तक की प्रतिमा का निर्माण किया है। 5000 से 35000 हजार कीमत रखी है। उन्होंने बताया कि इस बार सामग्रियों के दाम भी बड़े हैं वह सजावट का सामान कोलकाता से लेकर आते हैं और स्थानीय स्तर पर मिट्टी बांस पैरा सुतली सहित अन्य सामान खरीदते हैं। उन्होंने बताया कि वह 30 वर्षों से कोतमा में मुखर्जी चौक पर आकर प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्रि पर्व को 8 दिन शेष बचे हैं जिसको लेकर वह स्वयं एवं अपने साथी मूर्तिकारों के साथ दिन-रात प्रतिमा में रंग रोगन का कार्य करने में जुटे हुए हैं। मूर्तिकार गोपाल पाल ने बताया कि वह कोलकाता से आकर कोतमा में मूर्ति बनाने का कार्य लगभग 10 वर्षों से कर रहे हैं। उन्होंने दुर्गा जी की छोटी-बड़ी प्रतिमा मिलाकर कुल 190 प्रतिमा का निर्माण किया है। जिसकी कीमत 3000 से लेकर 30000 रूपया तक रखी है। उन्होंने बताया कि 2 फीट से लेकर 10 फीट तक की प्रतिमा का निर्माण किया है। सामानों के रेट भी बड़े हैं जिसके कारण उन्हें सही दाम भी नहीं मिल पाते हैं।